**सि. प्र. सं. के आदेश 41, नियम 5 (2) के अधीन आवेदन पत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

आवेदक निम्नलिखित रूप में अति सादर पूर्वक निवेदन करता है

1. यह कि आज्ञापक. व्यादेश हेतु उपर्युक्त वाद में तारीख... .......... को अपीलार्थी (प्रतिवादी) निर्णीत ऋणी के विरुद्ध इस आदरणीय न्यायालय द्वारा डिक्री पारित कर दी गयी।
2. यह कि प्रस्तुत वाद में पारित किये गये इस आदरणीय न्यायालय की डिक्री एवम् निर्णय के विरुद्ध आवेदक (प्रतिवादी निर्णीत ऋणी) ने................... की न्यायालय में एक अपील दायर कर चुका है।
3. यह कि आवेदक ऊपर नोट किये गये वाद में पारित किया गया इस आदरणीय न्यायालय का निर्णय एवम् डिक्री की प्रमाणित प्रतिलिपियों के लिए आवेदन किया है लेकिन उसको अप्राप्त करने में समर्थ नहीं है क्योंकि वे तैयार नहीं किये जाते हैं।
4. यह कि वादी (डिक्रीदार) कथित डिक्री के निष्पादन के लिए तारीख..................को निष्पादन आवेदन पत्र पेश किया है और मानले आवेदक की भित्ति ढहा दी जाती है तो यह............... रुपये के बराबर होने वाली सारभूत हानि एवम् नुकसानी कारित करेगा।
5. यह कि कथित तथ्यों के समर्थन में एक शपथपत्र इस आवेदन पत्र के साथ दाखिल किया जा रहा है।

**प्रार्थना**

यह अति सादर पूर्वक प्रार्थना की जाती है कि डिक्री का निष्पादन कथित डिक्री के विरुद्ध अपीलीय न्यायालय में एक अपील दाखिल करने में आवेदक को समर्थ बनाने के लिए स्थगित कर दिया जाय।

यह तद्नुसार प्रार्थना की जाती है।

**आवेदक**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान..........**

**तारीख...............**